टीका जानकारी विवरण

न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन (पी.सी.वी. 13)
जानने योग्य तथ्य

टीकों के बारे में अधिक जानकारी स्पेनिश एवं अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध है।
संदर्भ : www.immunize.org/vis

1. टीकाकरण क्यों जरुरी है?

पी.सी.वी. 13 टीके से बच्चों एवं वयस्कों में न्यूमोकोकल बीमारियों की रोकथाम की जा सकती है।

न्यूमोकोकल रोग जीवाणुओं द्वारा कारित होते हैं तथा नजदीकी सम्पर्क से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलते हैं। ये कानों के संक्रमण हेतु भी उत्तरदायी हैं तथा इससे अन्य गंभीर संक्रमण भी उत्पन्न हो सकते हैं।

इनमें निम्न भागों के संक्रमण निहित हैं :

- फुप्फुस (न्यूमोनिआ)
- रक्त (बैक्टीरीमिआ)
- मस्तिष्क एवं मेरुरज्जू के अस्तर (मेनिन्जाइटिस)

न्यूमोकोकल न्यूमोनिआ वयस्कों में अधिक पाया जाता है जबकि न्यूमोकोकल मेनिन्जाइटिस, बहरापन एवं मस्तिष्क को हानि पहुंचा सकती है तथा इससे पीड़ित 10 बच्चों में से लगभग 1 मृत्यु का शिकार हो जाता है।

न्यूमोकोकल रोग किसी को भी हो सकते हैं लेकिन 2 वर्ष से कम आयु के बच्चे, 65 वर्ष या इससे अधिक के प्रौढ़, कुछ बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति तथा धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों को इस संक्रमण से अधिक जोखिम रहता है।

पी.सी.वी. 13 टीके से पहले अमेरिका में 5 वर्ष के कम आयु के बच्चों में :

- 700 से अधिक मेनिन्जाइटिस के केस,
- 13000 के लगभग रक्त संक्रमण,
- 5 मिलियन से अधिक कान के संक्रमण एवं
- लगभग 200 मौतें, न्यूमोकोकल संक्रमण के कारण हो जाती थीं। टीके के उपलब्ध होने के बाद इन बच्चों में न्यूमोकोकल की गंभीर बीमारियां 88 प्रतिशत तक कम हो गई हैं।

अमेरिका में प्रतिवर्ष लगभग 18,000 प्रौढ़ वयस्कों की मृत्यु न्यूमोकोकल रोगों के कारण हो जाती है।

पेनिसिलिन एवं अन्य दवाइयों से न्यूमोकोकल संक्रमण का उपचार अब पहले की तरह प्रभावी नहीं रहा है, क्योंकि रोगों के लिए उत्तरदायी संक्रमण की कुछ प्रजातियों में इन दवाइयों के विरुद्ध प्रतिरोधकता आ गई है, इस तथ्य के चलते, टीकाकरण से इन रोगों का बचाव और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

2. पी.सी.वी. 13 का टीका क्या है?

न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन (पी.सी.वी. 13 नाम से प्रचलित), न्यूमोकोकल जीवाणु की 13 प्रकार की प्रजातियों से सुरक्षा प्रदान करता है।

पी.सी.वी. 13 सामान्यतः बच्चों को 2, 4, 6 और 12 से 15 माह की आयु पर दिया जाता है। यह कुछ निश्चित स्वास्थ्य स्थितियों में, 2 वर्ष के बच्चे से लेकर 64 वर्ष तक के वयस्कों हेतु और 65 वर्ष या इससे अधिक आयु के सभी वयस्कों हेतु अनुशंसित किया जाता है। इस विषय में अधिक जानकारी चिकित्सक से प्राप्त की जा सकती है।

3. कुछ व्यक्तियों को यह टीका नहीं लगवाना चाहिए

किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसे इस टीके की खुराक, अथवा पी.सी.वी. 7 न्यूमोकोकल टीके अथवा किसी भी अन्य टीके जिसमें डिफ्थीरिआ टॉक्साइड निहित हो (जैसे-डी.टैप) से पहले प्राणघातक एलर्जिक रिएक्शन होने पर उन्हें पी.सी.वी. 13 टीका नहीं लगवाना चाहिए।

इसी प्रकार पी.सी.वी. 13 के किसी भी घटक से गंभीर एलर्जी वाले व्यक्तियों को यह टीका नहीं देना चाहिए। टीकाकृत व्यक्ति में गंभीर एलर्जी होने की स्थिति के बारे में डॉक्टर को बताएं।

टीकाकरण के निश्चित समय पर टीका लगवाने वाले व्यक्ति के अस्वस्थ होने पर स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता, टीका लगाने हेतु अन्य कोई दिन तय कर सकता है।

4. टीका प्रतिक्रिया (वैक्सीन रिएक्शन) के खतरे

अन्य औषधियों के समान, टीके से भी दुष्प्रभावों की संभावना रहती है। ये साधारण किस्म के होते हैं तथा स्वतः समाप्त हो जाते हैं किन्तु गंभीर प्रतिक्रियाएं भी संभव हैं।

पी.सी.वी. 13 का टीका लगाने के बाद आयु वर्ग एवं खुराकों के अनुसार निम्न समस्याएं रिपोर्ट की गई हैं। बच्चों में होने वाली सामान्य समस्याएं निम्न रहीं:

- शॉट लगाने के बाद लगभग आधे बच्चे उनींदा हो गए, भूख समाप्त होने की अस्थायी शिकायत की तथा शॉट (इंजेक्शन) लगाने की जगह पर लालिमा या टेन्डरनेस रिपोर्ट की गई।
- 3 में से लगभग 1 बच्चे के शॉट वाले स्थल पर सूजन पाई गई।
- 3 में से लगभग 1 बच्चे को हल्का बुखार जबकि 20 में से लगभग 1 बच्चे को 102° F से अधिक ज्वर देखा गया।
- 10 में से लगभग 8 बच्चे चिड़चिड़े या भड़कते हुए पाए गए।

वयस्कों में शॉट वाले स्थान पर दर्द, लालिमा एवं सूजन पाई गई। इसके साथ हल्का बुखार, सिर दर्द, कंपकंपी या ठंड लगने तथा पेशियों में दर्द भी रिपोर्ट किया गया।

उल्लेखनीय है कि बड़े बच्चों में एक ही समय पी.सी.वी. 13 तथा निष्क्रिय फ्लू टीका लगाने पर ज्वर के कारण सीजर्स (दौरे) का खतरा रहता है।

अधिक जानकारी हेतु डॉक्टर से सम्पर्क करें।

U.S. Department of Health and Human Services
Centers for Disease Control and Prevention

किसी भी टीके से होने वाली संभावित समस्याएं:

- टीकाकरण सहित किसी भी चिकित्सा प्रक्रिया के कारण कुछ व्यक्तियों को कभी-कभी चक्कर या मूर्च्छा आ सकती है। 15 मिनट तक बैठने या लेटे रहने से मूर्च्छा से बचा जा सकता है। चक्कर आने, दृष्टि में परिवर्तन या कानों में घंटी सी बजने की शिकायत होने पर तुरंत डॉक्टर को बताएं।
- कुछ बच्चे एवं वयस्क शॉट वाली भुजा को उठाने में कठिनाई तथा कंधे में गंभीर दर्द महसूस कर सकते हैं, यह समस्या बहुत कम या अपवादस्वरुप ही पाई जाती है।
- किसी भी औषधि से गंभीर एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है किन्तु एक टीके से इस प्रकार के रिएक्शन होने की संभावनाएं अत्यन्त कम हैं। एक अनुमान के अनुसार यह संभावना एक मिलियन खुराकों में, एक से भी कम केस में हो सकती है तथा समस्या टीकाकरण के पश्चात कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों के भीतर उत्पन्न हो सकती है।

अन्य औषधि के समान टीके से भी गंभीर दुर्घटना अथवा मृत्यु होने की संभावनाएं बहुत दूर होती हैं।

टीकों की सुरक्षा, हमेशा मॉनिटर की जाती रहती है, देखेः www.cdc.gov/vaccinesafety/

5. गंभीर रिएक्शन की स्थिति में निर्देश

- **स्वयं का अवलोकन करें:**

अपने शरीर से सरोकार रखने वाली प्रत्येक क्रिया पर नजर रखें। इनमें गंभीर एलर्जी रिएक्शन, बहुत तेज बुखार अथवा असामान्य व्यवहार आदि सम्मिलित हैं।

गंभीर एलर्जी रिएक्शन के लक्षणों में खराश, चेहरे एवं गले पर सूजन, श्वसन में कठिनाई, हृदय की धड़कनों का तेज होना, चक्कर आना एवं कमजोरी आना सम्मिलित हैं। यह समस्याएं टीकाकरण के बाद कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों तक प्रारम्भ हो सकती हैं।

- **कार्यवाही करें:**

गंभीर एलर्जिक रिएक्शन अथवा ऐसी आपात स्थिति जहां प्रतीक्षा करने का समय न हो, तत्काल 9-1-1 पर फोन करें अथवा तुरंत नजदीकी हॉस्पिटल पहुंचें, अन्यथा अपने डॉक्टर/क्लिनिक से सम्पर्क करें।

तत्पश्चात रिएक्शन की घटना को वैक्सीन एडवर्स इवेंट रिपोर्टिंग सिस्टम (VAERS) को रिपोर्ट करनी चाहिए। यह रिपोर्ट डॉक्टर को फाइल करनी चाहिए अथवा स्वयं भी वेअर्स (VAERS) की वेबसाइट (www.vaers.hhs.gov) के माध्यम से अथवा 1-800-822-7967 पर काल करके फाइल की जा सकती है।

(नोट : VAERS किसी भी प्रकार का चिकित्सा परामर्श नहीं देता है)

6. राष्ट्रीय टीका-दुर्घटना क्षतिपूर्ति कार्यक्रम

नेशनल वैक्सीन इंजरी कंपन्सेशन प्रोग्राम (VICP), एक संघीय कार्यक्रम है। इसके द्वारा उन व्यक्तियों को क्षतिपूर्ति प्रदान की जाती है जिन्हें टीकों के कारण किसी प्रकार की क्षति या हानि पहुंचती है।

जिन व्यक्तियों का यह मानना है कि उन्हें किसी टीके के कारण कोई क्षति/हानि पहुंची है, वे कार्यक्रम के बारे में और क्षतिपूर्ति दावा करने के बारे में 1-800-338-2382 पर काल करके या वी.आई.सी.पी. की वेबसाइट (www.hrsa.gov/vaccinecompensation से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

क्षतिपूर्ति हेतु दावा (क्लेम) करने की समय सीमा निर्धारित है।

7. अधिक जानकारी हेतु स्त्रोत

- अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता (हेल्थ केयर प्रोवाइडर) से पूछताछ करें। उनके द्वारा आपको वैक्सीन पैकेज इंसर्ट मिल सकता है अथवा जानकारी के अन्य स्त्रोत प्राप्त हो सकते हैं।
- अपने स्थानीय या राज्य स्वास्थ्य विभाग को काल करें।
- रोग नियंत्रण एवं निवारण केन्द्र (CDC) से सम्पर्क करें।
  - 1-800-232-4636 (1-800-CDC-INFO) पर काल करें।

अथवा

  - सी.डी.सी. की वेबसाइट www.cdc.gov/vaccines पर विजिट करें।

Vaccine Information Statement

PCV13 Vaccine

11/05/2015

Hindi

Office Use Only

42 U.S.C. § 300aa-26